

Содержание

| | |
|---|----|
| 1. Сюита «Кот Бегемот» (Он обаятельный; На балу без галстука; Никого не трогаю, примус починяю; Котам обычно говорят «ты»; Полный примус валюты)..... | 1 |
| 2. Как ананасы в оранжевых | 3 |
| 3. С котами нельзя! Брысь!..... | 3 |
| 4. Весенний месяц нисан..... | 3 |
| 5. Ершалаим..... | 4 |
| 6. В белом плаще..... | 5 |
| 7. Гуляя по лунному лучу..... | 5 |
| 8. На патриарших прудах..... | 6 |
| 9. Вот в чём фокус!..... | 6 |
| 10. Опять-таки..... | 7 |
| 11. Что-нибудь простенькое..... | 7 |
| 12. Лет через триста пройдёт..... | 8 |
| 13. Рукописи не горят..... | 8 |
| 14. Польза от пеня..... | 9 |
| 15. Я люблю цветы, только не такие | 9 |
| 16. Песня воды в фонтане..... | 10 |
| 17. Невидима и свободна..... | 11 |
| 18. Добрый человек..... | 12 |
| 19. Маэстро, урежьте марш..... | 13 |
| 20. Он не отбрасывает тени!..... | 14 |

Пьесы, не имеющие никакого отношения к роману «Мастер и Маргарита»:

| | |
|----------------------------------|----|
| 21. И свет торшера тускл..... | 16 |
| 22. Было весело..... | 16 |
| 23. Незамысловатая песенка..... | 16 |
| 24. Вспомнить всё..... | 17 |
| 25. Вот и пришла весна..... | 17 |
| 26. Завтрак на траве | 18 |
| 27. На что-то похожий танец..... | 19 |
| 28. Студёная Гута..... | 20 |
| 29. Приятные воспоминания..... | 21 |
| 30. Лирический этюд..... | 22 |
| 31. Реальный этюд..... | 23 |

© Олег Александрович Копенков
e-mail: kopenkov@mail.ru
<http://gitara-maz.by/>

Минск 2016 г.